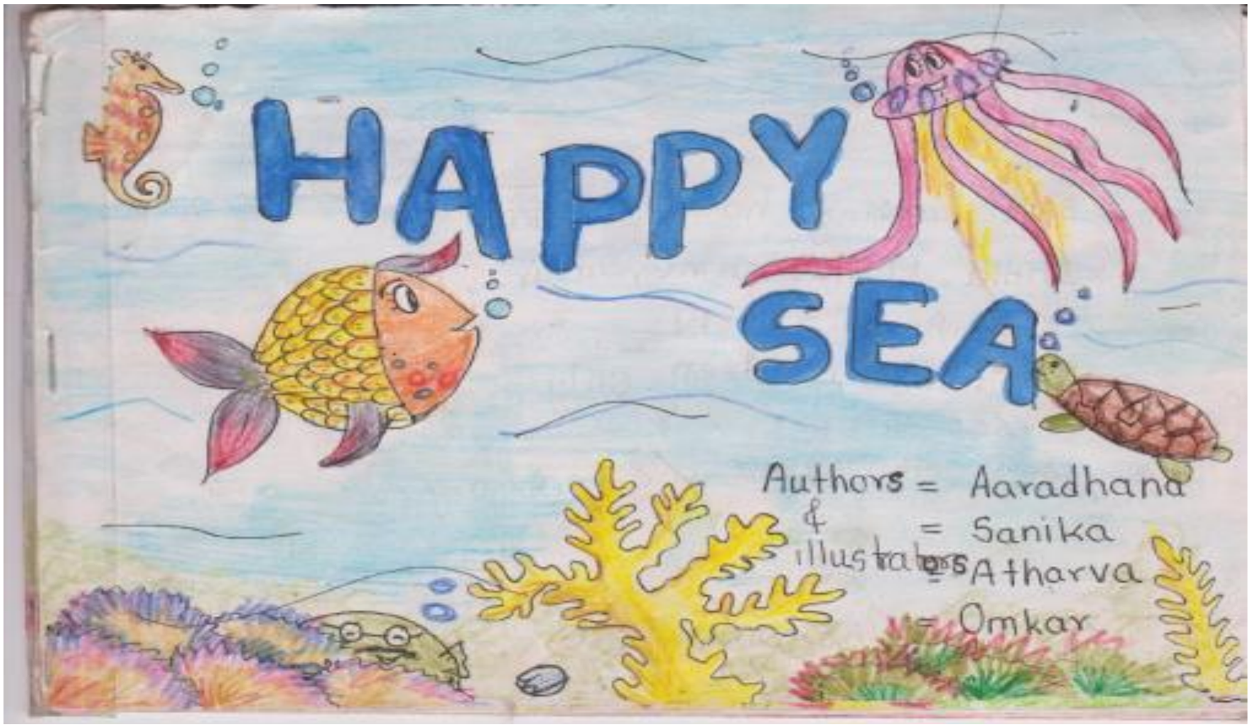
बच्चों का लेखन : कक्षाकक्ष में किताब बनाना



इमर्जेंट साक्षरता पद्धति (Emergent Literacy Approach) बच्चों को बहुत छोटी उम्र में ही लिखने के कई मौक़े देने की अनुशंसा करती है । इन मौक़ों में बच्चों को लिखने के वास्तविक कारण मिलने चाहिए ताकि उन्हें पढ़ना-लिखना प्रासंगिक और अर्थपूर्ण लगे। लेखन कार्यक्रम में बच्चों को शामिल करने के लिए उनसे किताब बनवाना ऐसी ही एक प्रामाणिक (और रोमांचक) गतिविधि है किताब।

बच्चों को किताबों का निर्माण करना बहुत अच्छा लगता है और यह उन्हें लिखने के लिए प्रेरित करता है । किताब के माध्यम से वे जो कहना चाहते हैं उसके बारे में गहराई से सोचते हैं कि कैसे उसे सबसे अच्छे तरीक़े से कहें । इस प्रक्रिया में वे सीखते हैं कि उनकी मौखिक कहानी और लिखित भाषा कैसे आपस में जुड़े हैं और वे संकेतों के भिन्न-भिन्न तरीक़े (वर्ण, चित्र आदि) का उपयोग करके अपने विचारों को व्यक्त करने का प्रयास करते हैं । इस प्रकार, कक्षाकक्ष में किताबों का निर्माण बच्चों की रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता को सक्रिय रखने के साथ-साथ पढ़ना-लिखना सीखने के कई ताने-बाने बुनता है ।

इस हैंड-आउट में हम कुछ रोचक (मज़ेदार) किताब के प्रकारों के बारे में बात करेंगे जिन्हें आपके बच्चे बना सकते हैं । ये बस केवल सुझाव हैं; आप अपने हिसाब से इसमें बदलाव ला सकते हैं। आगे बढ़ने से पहले दो महत्वपूर्ण बातें :

पहला, जब हम कहते हैं 'किताबें', तो इसका अर्थ छपा हुआ, जिल्दबंद या व्यावसायिक रूप से उत्पादित किताबों से बिल्कुल नहीं है। आप कक्षाकक्ष में ही उपलब्ध सामग्री का उपयोग कर सकते हैं | A4 साइज़ के चार्ट पेपर को

मोड़कर उसपर पिन लगाकर भी एक किताब बनाई जा सकती है। बच्चे लिखने या चित्र बनाने के लिए पेंसिल, पेन, कलर पेंसिल या क्रेयॉन का उपयोग कर सकते हैं।

दूसरा, जब आप बच्चों का परिचय किताब निर्माण से कराते हैं तो उन्हें लिखने में मदद करें ताकि उन्हें यह डरावना न लगे | इसका एक तरीक़ा आसान विकल्पों के साथ शुरू करना है जो उन्हें स्पष्ट संरचना देती हो एवं जिसमें बहुत ज़्यादा लिखने की आवश्यकता न हो| बाद में आप उन्हें लंबे text और अधिक जटिल विषय-वस्तु वाली किताबें लिखने के लिए कह सकते हैं। छोटे बच्चों के उभरते हुए लेखन को प्रोत्साहित करें और लिखने में   उन्हें सहयोग और फीडबैक प्रदान करें।

अब अपने विचारों की सूची पर गौर करते हैं।

कक्षाकक्ष में निर्माण किये जा सकनेवाले किताबों के प्रकार

किताबें जो एक सुदृढ़ संरचना देते हैं और लेखन को सहारा देते हैं।

ये किताबें बच्चों को मज़ेदार लेखन कार्य में व्यस्त रखते हैं किन्तु वे डरावने नहीं होते क्योंकि ये कार्य सुसंरचित होते हैं और लेखन के लिए उकसाते हैं। इस प्रकार के किताबों का प्रकार :

- आप ऐसी आसान किताबें बना सकते हैं जिनके हर पेज पर एक चित्र और एक वाक्य हो। अपनी कक्षा के लिए इसकी बहुत-सी प्रतियाँ बना लें। आख़िरी पेज को ख़ाली छोड़ दें जिसमें बच्चे चित्र बना सकें, लिख सकें और पूरा कर सकें जैसा कि चित्र 1 में दिखाया गया है। यदि इसमें किसी   कहानी की विषय-वस्तु हो तो बच्चे घटनाओं के क्रम पर सोचने के लिए प्रोत्साहित होते हैं और संभावित निष्कर्ष भी देते हैं।



चित्र 1 प्रत्येक पेज में एक वाक्य वाले आसान किताब का उदाहरण

- ऐसा ही एक सुझाव बच्चों से उनकी अपनी कहानी लिखवाकर किताब निर्माण में उनकी मदद करना है। उनकी किताब के हर पेज पर आप उनकी कहानी से एक-दो वाक्य लिख सकते हैं और बच्चों को इस प्रक्रिया में कुछ योगदान देने के लिए कह सकते हैं | उदाहरण के लिए, बहुत छोटे बच्चे प्रत्येक पेज पर चित्र

बनाकर और उससे मेल खाते नाम लिख सकते हैं । चित्र 2 में किताब “व्हेर इज मैम?” के कुछ पन्ने दिखाए गए हैं । यहाँ पूरी कक्षा (कक्षा 1 व 2 के बच्चों) द्वारा मौखिक रूप से कहानी बनाई गई थी.   यह उनके द्वारा हाल ही में पढ़ी गई एक किताब पर आधारित था । शिक्षक ने इस साझी मौखिक कहानी को फैसिलिटेट किया और इसके टेक्स्ट को लिखा एवं इन बच्चों ने पन्नों पर चित्र बनाए ।



चित्र *2*. पुस्ताब ‘Where is Ma’am?’ बच्चों द्वारा बोलकर लिखवाई कहानी पर आधारित (SAJAG, Mumbai)

- बच्चे अनुमान लगाए जा सकनेवाली वाक्य संरचनाओं का उपयोग करते हुए प्रचलित कविता /टेक्स्ट की छोटी-छोटी किताबें बना सकते हैं । जैसे कविता में एक मोहक लय और अनुमान लग सकनेवाली वाक्य संरचना होती है । बच्चे जानवर और उसकी प्रतिक्रिया को बदलकर कविता को मज़ेदार तरीक़े से आगे बढ़ा सकते हैं ।

पैसे पास होते तो चार चने लाते
चार में से एक चना **चूहे** को खिलाते
चूहे को खिलाते तो **दांत टूट जाता**
दांत टूट जाता तो बड़ा मज़ा आता |

पैसे पास होते तो चार चने लाते
चार में से एक चना **तोते** को खिलाते
तोते को खिलाते तो **टाव-टाव गाता**
टाव-टाव गाता तो बड़ा मज़ा आता |

- आमतौर पर भले ही संप्रेषण और उनकी अभिव्यक्ति को प्रोत्सहित करने के लिए हम बच्चों से किताबों का निर्माण कराते हों पर कभी-कभी अवधारणाओं को स्पष्ट कराने के लिए भी ऐसा कर सकते हैं । चित्र 3 में बच्चों ने एक किताब बनाई है जो "-it" लगने वाले शब्दों के ध्वनि ज्ञान की अवधारणा को मज़बूत करता है । शिक्षक ने हर बच्चे को काग़ज़ के 4-5 शीट दिए जिसके हर पेज पर एक शब्द और उसके अनुरूप चित्र थे। बच्चों ने शिक्षक के साथ इसपर चर्चा की और इस शब्द का उपयोग करते हुए एक वाक्य लिखा जो चित्र से भी मेल खाता है।



चित्र 3 "-it" लगे शब्द समूह पर आधारित The Metta Community working in HBP Indian School, Bengaluru.

साझा किताबें

आप पूरी कक्षा के साथ मिलकर विषय-वस्तु तय कर सकते हैं और प्रत्येक विद्यार्थी इसमें चित्र और पाठ्य (Text) का एक पेज जोड़कर अपना योगदान दे सकते हैं | इस तरह, उन्हें व्यक्तिगत रूप से पूरे किताब की संकल्पना करने या पूरी किताब लिखने की ज़रुरत नहीं होती पर फिर भी वे अपना मौलिक योगदान दे सकते हैं। आप कक्षा को तीन या

चार समूहों में भी बाँट सकते हैं ताकि आप इसे आसानी से संभाल सकें। इस प्रकार की किताबों के लिए विषय-वस्तु /विचार के कुछ उदाहरण-

- *ऐसी कोई कहानी जिसे बच्चे आपस में मिल-जुलकर विकसित करते हैं* | बच्चों को गोल घेरे में बिठाएं। आप शुरूआती कुछ लाइन दे सकते है - " अरे नहीं ! मेरी नोटबुक कहीं खो गई है। यह कहाँ होगा?" पहला बच्चा कहानी को आगे बढ़ाता है। वह कह सकता है, " कहीं बिल्ली ने तो नहीं फाड़ दिया ?" अगला बच्चा कह सकता है, " लेकिन बिल्ली तो घर के बाहर है।" एक शिक्षक के रूप में आपकी भूमिका बच्चों को यह याद दिलाना है कि कहानी में मज़ेदार मोड़ होना चाहिए और इसमें एक बढ़िया अंत का होना भी ज़रूरी है। एक बार जब हर बच्चा अपना-अपना योगदान दे दें तो आप उनके द्वारा बताए गए वाक्यों को एक पर्ची में लिखें और उन्हें दे दें। साथ ही किताब का पेज उन्हें दे दें जिसमें वे अपने योगदान को लिखेंगे और चित्र बनाएंगे। जब सभी बच्चे काम करने के बाद अपना-अपना पेज आपको वापस दे दें तो उन्हें स्टेपल कर आप कक्षा के लिए एक साझा किताब बना सकते हैं। (Manjiri Nimbkar, personal communication, January 23, 2019).

• *छोटी कविताओं का संग्रह* | उनमें कोई विषय-वस्तु हो सकता है (जैसे – मेरा दोस्त) या जिनमें कोई पैटर्न हो (जैसे-"*Brown Bear, Brown Bear, What do you see? I see a __________ looking at me"*)। हर बच्चा एक अलग जानवर का नाम लिखकर कविता पूरा कर सकता है एवं उसका चित्र बना सकता है। ये सब साझा किताब में शामिल हो सकते हैं।

• *बच्चों के अनुभव का विवरण* जैसे किसी स्थल का भ्रमण अथवा स्कूल में आए किसी अतिथि के साथ उनकी बातचीत या एक जैसे अनुभव के बारे में अलग-अलग बच्चों के विचार एवं राय। उदाहरण के लिए, चित्र 4 में कक्षा 6 के बच्चों द्वारा यात्रा के बारे में उनकी पसंद और नापसंद पर उनके द्वारा निर्मित एक किताब दिखाई गई है।

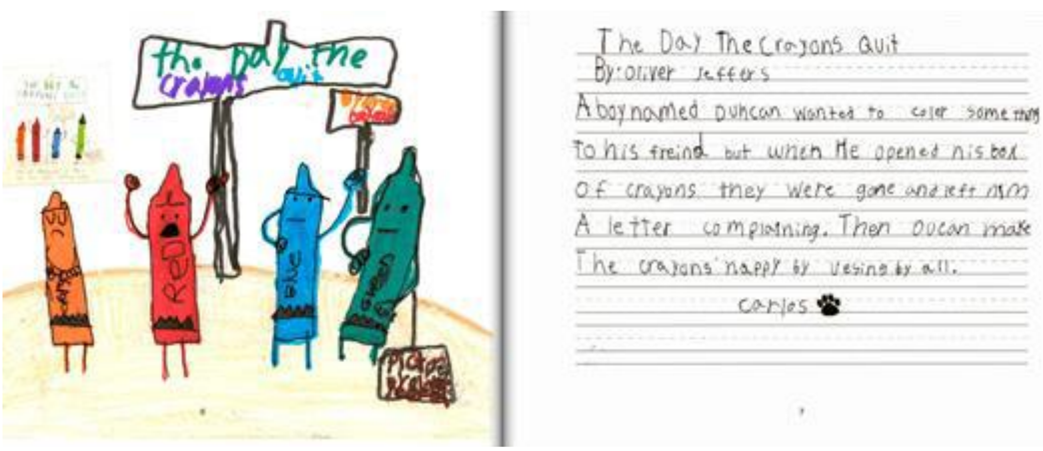






चित्र 4 यात्रा पर बच्चों के विचार पर आधरित किताब Kamala Nimbkar Balbhavan, PSS, Phaltan.

- साझा किताब बच्चों द्वारा कक्षा में सीख रहे किसी अवधारणा पर आधारित हो सकता है । (जैसे – रंगों की किताब, विलुप्त होते जानवरों की किताब) प्रगत शिक्षण संस्था (फल्टन महाराष्ट्र) में कक्षा 3 व 4 में क्रिया शब्दों के बारे में बात करने के बाद, बच्चे समूह बनाते हैं और एक स्थान या घटना चुनते हैं जिसपर वे काम करना चाहते हैं जैसे रसोईघर, खेल का मैदान, जन्मदिन या एक विवाह समारोह । हर बच्चा किसी स्थान/ घटना में देखे गए किसी गतिविधि का चित्र बनाता है और इसके बारे में क्रिया शब्दों का उपयोग करते हुए एक वाक्य लिखता है। शिक्षक चित्रों को एक साथ रखकर प्रत्येक समूह के क्रियाकलापों की एक किताब बनाते हैं | (Manjiri Nimbkar, Personal communication, January 23, 2019).
- यदि आपके बच्चे किताबें पढ़ना या मुखर वाचन सुनना पसंद करते हैं तो वे अपनी पसंदीदा किताब पर आधारित एक किताब बना सकते हैं । जैसा कि चित्र 5 में दिखाया गया है, हर बच्चा अपनी सबसे पसंदीदा किताब के बारे में एक पेज का योगदान दे सकता है और कहानी का सार प्रस्तुत कर सकता है या यह लिख सकता है कि कोई किताब उन्हें क्यों पसंद आई। वह इस किताब से संबंधित चित्र भी बना सकता/सकती है।



चित्र 5 *कक्षा की पसंदीदा किताबें* : साभार www.weareteachers.com/10-ideas-for-student-created-books-you-can-publish-before-the-end-of-the-year से प्राप्त

• कक्षा की किताबें बनाना भी बच्चों के किताब-निर्माण के लिए सरल और मज़ेदार तरीक़ा हो सकता है। यहाँ भी प्रत्येक बच्चा एक-एक पेज का योगदान देता है किन्तु यह पेज बच्चे के बारे में ही बताता है। उदाहरण के लिए, प्रत्येक पेज पर निम्न वाक्यों को पूरा करने से एक बच्चे का परिचय दिया जा सकता है।

मेरा नाम___________ है। मुझे __________पसंद है।

बच्चे ख़ाली स्थान में अपना नाम और उसे जो करना पसंद है वह लिखते हैं। वे वहाँ ख़ुद का चित्र भी बना सकते हैं। कक्षा में किताब निर्माण के लिए आप विषय-वस्तु के चयन में रचनात्मकता दिखा सकते हैं। चित्र 6 में कक्षा की किताब *"यहाँ हमारे हाथ हैं ।"* में हर बच्चे की तरफ़ से एक पेज है जिसमें ऐसा लिखा है – यहाँ _________के हाथ हैं | बच्चा ख़ाली स्थान में अपना नाम लिखता है और रंग से अपनी हथेली की छाप लगा देता है ।

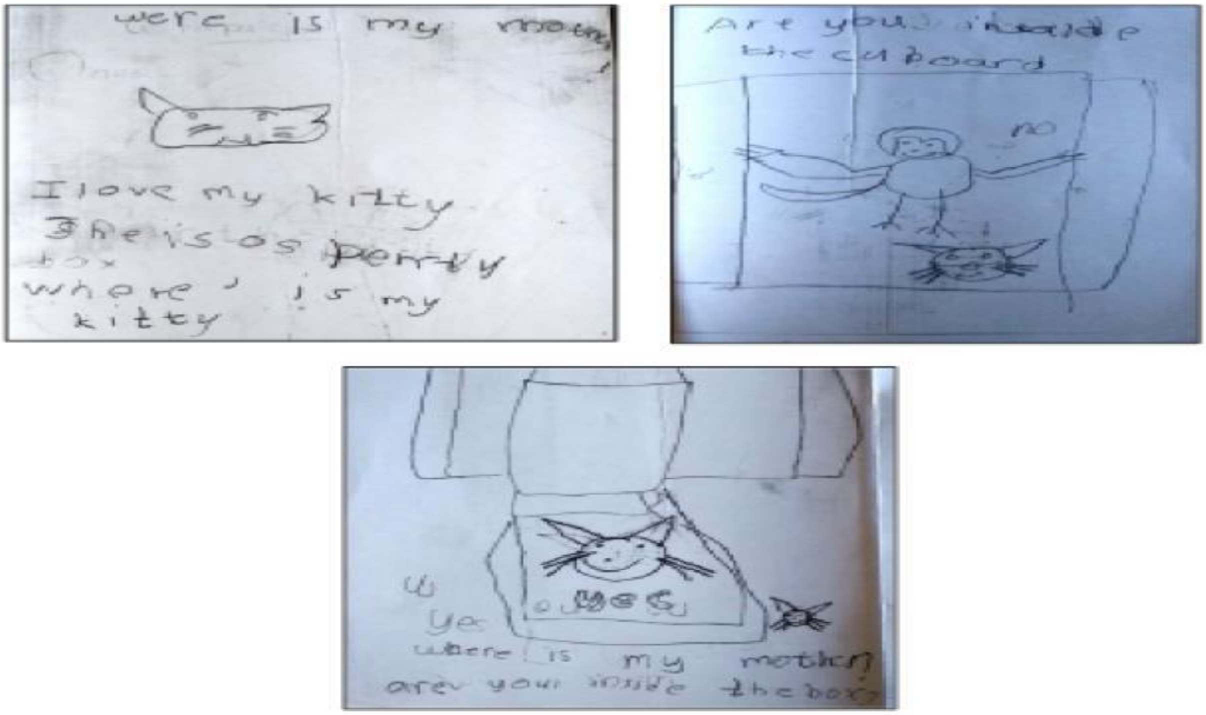


चित्र 6 कक्षा की किताब का उदाहरण www.pre-kpages.com से प्राप्त

बच्चों के विचारों पर आधारित किताबें

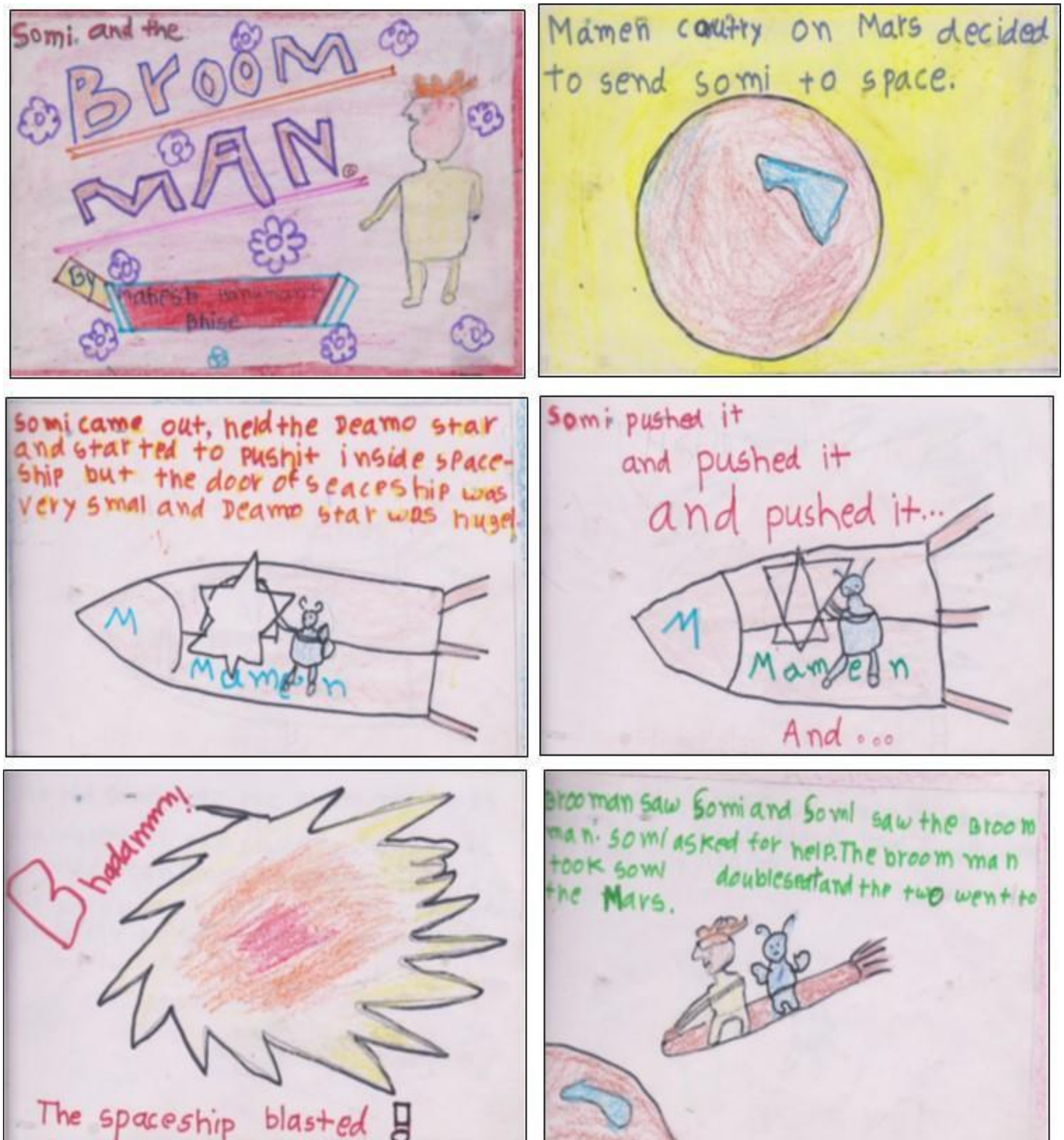
धीरे-धीरेबच्चे व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से अपने विचारों पर आधारित पूरी किताब बना सकते हैं। ऐसा करने के कुछ तरीक़े नीचे सुझाए गए हैं।

• *किसी ज्ञात किताब को फिर से लिखना या रूपांतरित करना* । ज्ञात किताब को आधार के रूप में उपयोग करना किताब लिखने के शुरुआती चरण में सहायक होता है | अनुसरण करने के लिए यह बच्चों को एक विस्तृत संरचना प्रदान करती है। चित्र 7 में कक्षा 1 के बच्चों के एक समूह द्वारा निर्मित एक किताब दिखाई गई है जो "Where's Spot? (Eric Hill, 1980) किताब पर आधारित है । इसे उनके शिक्षक ने उन्हें पढ़कर सुनाया था। आप चुनिंदा लेखक या किताब के विधा या लेखन शैली की विशेषता पर चर्चा करके इस प्रक्रिया में अपना सहयोग दे सकते हैं।



चित्र 7: . ‘Where’s Spot?’ किताब पर आधारित बच्चों की अपनी किताब, SAJAG, Mumbai

- *कविताएँ और कहानियाँ लिखना* | वे सरल रचनाओं के साथ शुरू कर सकते हैं और जैसे-जैसे वे लिखते जाएंगे, ज़्यादा लंबे और जटिल टेक्स्ट पर अपना हाथ आज़मा सकते हैं। चित्र 8 में कक्षा 6 के बच्चों द्वारा प्रगति शिक्षण संस्था (फल्टन महाराष्ट्र) में विकसित एक किताब दिखाई गई है। बच्चे कुछ सप्ताह तक अपने शिक्षक की मदद से अपनी किताबों में सुधार और संशोधन का काम करते हैं।



चित्र 8 बच्चों की अपनी कहानी पर आधारित एक किताब Kamala Nimbkar Balbhavan, PSS, Phaltan.

- *कक्षा में सीख रहे किसी अवधारणा पर शोध और लेखन |* चित्र 9 में Preposition 'in' पर आधारित किताब के कुछ पन्ने प्रस्तुत हैं जिसे प्र.शि.सं. फाल्टन के कक्षा 4 के एक बच्चे ने बनाया है। बड़े बच्चे अपने किसी पसंदीदा विषय पर और ज़्यादा सूचना प्राप्त करके अवधारणा की व्याख्या करते हुए किताब बना सकते हैं।



चित्र 9 . कक्षा 4 के बच्चों द्वारा preposition 'in' पर आधारित निर्मित किताब Kamala Nimbkar Balbhavan, PSS, Phaltan.

लेखन प्रक्रिया को सहारा देना

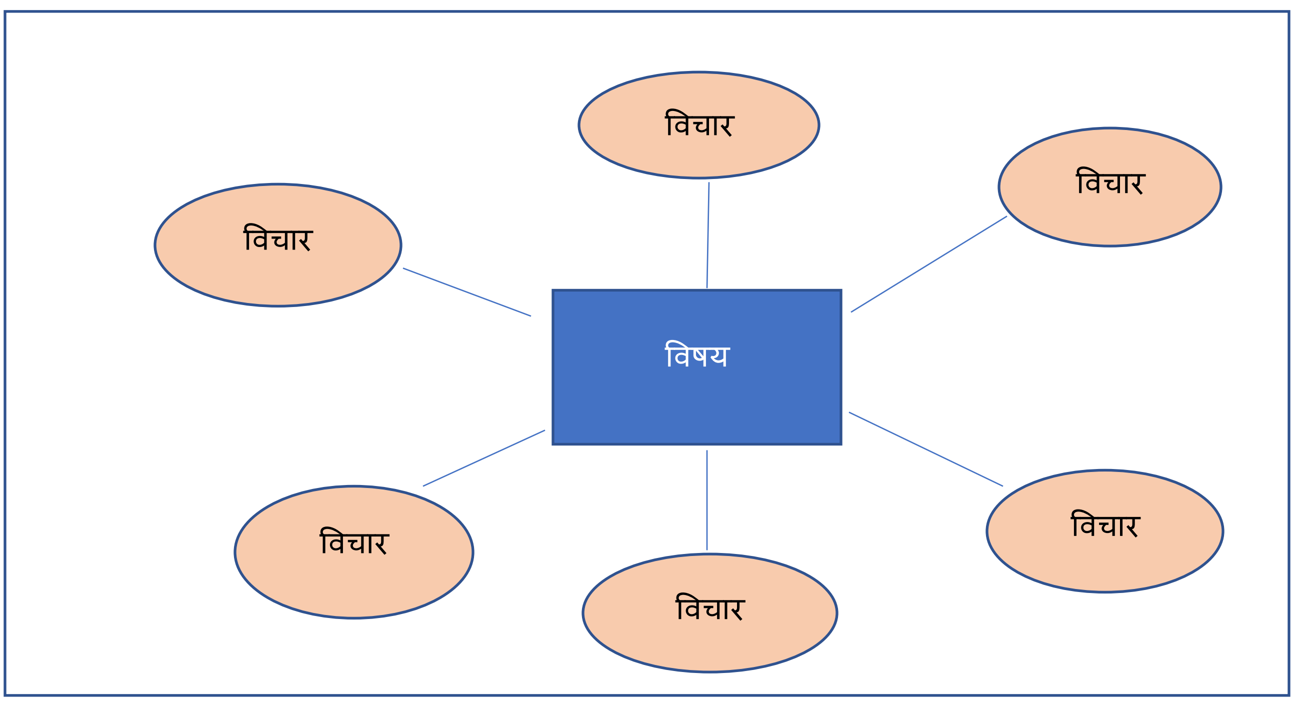
पढ़ने और लिखने के कौशल साथ-साथ विकसित होते हैं। इसलिए इसमें बच्चों को मदद करने का एक तरीक़ा यह है कि उन्हें बहुत सारी किताबें बोल-बोलकर सुनाएं। इस दौरान लिखित शब्दों पर गौर करने और उन्हें ख़ुद से किताबों की छानबीन करने के लिए प्रोत्साहित करें। लेकिन ख़ासतौर पर जब वे किताब निर्माण की प्रक्रिया में जुट जाते हैं तो निम्न तरीक़ों से आप उनकी सहायता कर सकते हैं –

- उन्हें अपने विचारों पर आपस और अपने बाक़ी साथियों से से चर्चा करने के लिए पर्याप्त अवसर दें।
- अपने विचारों को सर्वोत्तम तरीक़े से कैसे अभिव्यक्त करना है, इस बारे में सोचने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें ताकि पढ़ने वाले स्पष्टता से उन्हें समझ सकें। इसमें उनके द्वारा अपने इलस्ट्रेशंस पर प्रतिक्रिया देना भी शामिल है। उन्हें यह देखने के लिए प्रोत्साहित करें कि हर पेज पर उनके चित्र और शब्द आपस में मेल खाते हैं या नहीं, क्या उन्हें लेबल (नामांकित) करने की ज़रुरत है या क्या पाठकों के समझने के लिए उसमें पर्याप्त विवरण मौजूद हैं!

- जब भी आपके बच्चे किसी नई चीज़ पर हाथ आज़माने की कोशिश कर रहें हैं, जैसे नई तरह की किताब या लेखन की नई विधा तो आप इसका नमूना दिखाकर उनकी इन कोशिशों को सही दिशा दें। जैसा कि हमने पहले बताया है , आप उन्हें उस विधा की किताबें दिखाकर उन विशेषताओं को चिन्हित कर सकते हैं जिनपर आप उनका ध्यान ले जाना चाहते हैं।
- बच्चों को अपने ड्राफ्ट को फिर से लिखने की अनुमति दें (इसके लिए वे एक-दो दिन का समय ले सकते हैं।) और उनके लेखन पर अपने विचार, राय व जानकारी साझा करें। प्रूफ़ रीडिंग एवं वर्तनी (Spelling) पर एकदम आख़िरी में ध्यान दें जब वे इसके अंतिम स्वरुप को साझा करने के लिए तैयार हों। छोटे बच्चे ग़लतियाँ कर सकते हैं क्योंकि इस समय वे अपनी समझ के आधार पर लिपि की वर्तनी गढ़ने (बनाने) की कोशिश कर रहे होते हैं। आपको इस समय ग़लत वर्तनी वाले हर शब्द को सुधारने की ज़रुरत नहीं है। इसके बजाय वे जो कहना चाहते हैं उस आशय को समझते हुए उसपर अपनी प्रतिक्रिया देकर लिखने की उनकी प्रेरणा को प्रोत्साहित कर सकते हैं। बाद में बार-बार हो रही एक या दो त्रुटियों के पैटर्न को पहचानकर छोटे समूहों में उन्हें इस बारे में बता सकते हैं।
- कुछ समय बाद जब बच्चे लेखन कार्य से अधिक सक्रियता से जुड़ जाएं तो लेखन प्रक्रिया को उनके लिए और अधिक पारदर्शी बनाएं। (Fletcher and Portalupi, 2001)

लिखने के पहले की योजना (लेखन-पूर्व)

बच्चों से कहें कि वे लिखी जानेवाली किताब के बारे में विचारों को संक्षेप में लिख लें। किसी विचार और उससे जुड़ी अन्य बातों के बारे में आप कैसे सोचते हैं, इसके बारे में उन्हें बताएं। इसके लिए उन्हें विचारों की ऐसी संरचना उपयोगी लग सकती है। (चित्र 10) ।



चित्र 10: एक Idea web (विचारों के जाल) को दिखाता है।

ड्राफ्ट लिखना – विचारों की सूची या जाल का उपयोग करके आप उन्हें बताएं कि आप यह कैसे तय करते हैं कि इनमें से उस विषय या किताब के लिए सबसे प्रासंगिक क्या है! और उन्हें क्रमवार करने की शुरुआत कैसे की जाए ताकि पूरी कहानी/ विचार पाठकों तक स्पष्ट रूप से पहुँच सके।

संशोधन करना – अपने बच्चों को ड्राफ्ट को फिर से पढ़ने और जांचने के लिए कि प्रोत्साहित करें कि क्या उनका लेखन पूर्ण है (क्या जो वे कहना चाहते थे वो सारी बातें उन्होंने स्पष्ट तरीक़े से कह दी हैं?); क्या कोई अनावश्यक भाग हटाया जा सकता है ; क्या प्रारंभ और अंत को बेहतर बनाया जा सकता है, क्या शब्दों का चयन ठीक है, क्या चित्रण कुछ अलग हो सकता है आदि।

संपादन करना – लेखन के अंतिम चरण में त्रुटियों को जाँचने के लिए प्रोत्साहित करें।

सार्वजनिक बनाना – अब बच्चे लेखन के अंतिम प्रारूप को श्रोतागण/पाठकों के साथ साझा करने के लिए तैयार है। ये श्रोतागण/पाठक उनके सहपाठी, दूसरी कक्षा के विद्यार्थी या माता-पिता/ अभिभावक हो सकते हैं।

किताब साझा करने के लिए अवसर बनाना

बच्चे जब अपना किताब सार्वजनिक कर दें तो उन्हें प्रमुखता से कक्षा पुस्तकालय में प्रदर्शित करें। बच्चों को इन किताबों को ख़ुद से या एक-दूसरे को पढ़ने के अनुमति दें। आप इन किताबों के इर्द-गिर्द रोमांचक कार्यक्रम आयोजित कर सकते हैं, जैसे किताब का विमोचन या 'लेखक द्वारा पठन' जिसमें लेखक अपनी किताब को अपने सहपाठियों के सामने पढ़कर सुनाता है (इस दौरान वह लेखक वाला 'हैट' भी पहन सकता/सकती है।) और वे उनसे प्रश्न पूछ सकते हैं या उसपर र अपनी प्रतिक्रिया दे सकते हैं। साल के अंत में, आप माता-पिता और समुदाय के सदस्यों के लिए बच्चों के कार्यों की प्रदर्शनी भी लगा सकते हैं जिसमें इन किताबों को शामिल किया जा सकता है ।

आशा करते हैं, आप इन विचारों को अपनी कक्षा तक ले जाएंगे और देखेंगे कि कैसे किताब निर्माण आपके लेखन कार्यक्रम में नई ऊर्जा का संचार करता है।

शुभकामनाएं !!!

Adapted from ELI Handout 7 (2019) "Children's writing: Creating books in the classroom"